The Green Bond Principles   The Social Bond Principles   ICMA International Capital Market Association

अस्वीकरण

संदेह से बचने के लिए [सस्टेनेबिलिटी बॉन्ड गाइडलाइन्स]() जिसका मूल प्रकाशन आईसीएमए की वेबसाइट पर अंग्रेजी भाषा में है. वही दस्तावेज प्रामाणिक है. यह अनुवाद केवल सामान्य संदर्भ मात्र के लिए दिया गया है.

सातत्ययोग्य बॉन्ड मार्गदर्शी सिद्धांत 2017

2 जून 2017

प्रस्तावना

आज बाज़ार में ऐसे बॉन्ड आ गए हैं जो ग्रीन बॉन्ड प्रिन्सीपल्स (जीबीपी) और सामाजिक बॉन्ड प्रिन्सीपल्स (एसबीपी) दोनों के अनुरूप होते हैं. इन लेनदेनों से धन बॉन्ड बाज़ार के प्रयोग का सतत विकास परिलक्षित होता है. ऐसे बॉन्ड प्ररूपी तौर पर सातत्ययोग्य बॉन्ड कहलाते हैं. ऐसे लेनदेनों के विशिष्ट उदाहरण www.icmagroup.org/resourcecentre संसाधन केन्द्र पर मिल जाएंगे.

ये मार्गदर्शी सिद्धांत इसलिए प्रकाशित किए गए हैं ताकि जीबीपी और एसबीपी दोनों की संगति की पुष्टि इस संदर्भ में की जा सके और सातत्ययोग्य बॉन्ड बाज़ार में पारदर्शिता और उजागर किए जाने पर उनके मार्गदर्शन को प्रयोग में लाया जा सके. जीबीपी और एसबीपी के चार मुख्य घटक और बाहरी समीक्षाओं के प्रयोग पर उनकी संस्तुतियां तथा प्रभाव रिपोर्टिंग इसीलिए सातत्ययोग्य बॉन्डों पर भी लागू होती है.

इस प्रलेख का लक्ष्य सातत्ययोग्य बाज़ार की सत्यनिष्ठा का संवर्धन करना है और यह सुनिश्चित करना है कि जारीकर्ता बेहतर तरीके से पूर्वानुमान लगा सकता है और निवेशकों की उम्मीदों को पूरा कर सकता है. इसका लक्ष्य है कि निवेशकों द्वारा प्रत्याशित या फलित सकारात्मक ग्रीन और सामाजिक प्रभावों की समीक्षा और मूल्यांकन हेतु सूचना उपलब्ध करवाई जा सके. इससे सूचना और कार्यपद्धति को प्रत्याशित रूप से उजागर किए जाने का संवर्धन करने से बीमा करने वालों को भी इससे सहायता मिलती है.

सातत्ययोग्य बॉन्ड की परिभाषा

सातत्ययोग्य बॉन्ड वे बॉन्ड होते हैं जहां धन अनन्य रूप से ग्रीन और सामाजिक दोनों ही परियोजनाओं में संयोजित रूप से वित्त किए जाने या फिर पुन: वित्त दिए जाने के लिए किया जाता है. सातत्ययोग्य बॉन्ड जीबीपी और एसबीपी दोनों के ही चार प्रमुख घटकों के अनुरूप होते हैं इनमें से पहले वाला तो विशेषकर निहित हरित परियोजनाओं और आने वाला निहित सामाजिक परियोजनाओं के लिए होता है.

ऐसा समझा जाता है कि कुछ सामाजिक परियोजनाओं से भी पर्यावरणीय लाभ साथ-साथ होते हैं, और यह कि कुछ हरित परियोजनाओं से सामाजिक लाभ साथ-साथ हो सकते हैं. धन बॉन्ड के प्रयोग का वर्गीकरण ग्रीन बॉन्ड, सामाजिक बॉन्ड, या सातत्ययोग्य बॉन्ड के रूप में जारीकर्ता द्वारा निहित परियोजनाओ के प्राथमिक लक्ष्यों के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए.

यह जान लेना आवश्यक है कि सातत्ययोग्य बॉन्ड को ऐसा बॉन्ड नहीं समझा जाना चाहिए जो कि जीबीपी और/या एसबीपी के चार प्रमुख घटकों के अनुरूप नहीं होते.

संसाधन केन्द्र

संस्तुत टेम्पलेट और ग्रीन, सामाजिक और सातत्ययोग्य बॉन्ड संसाधन www.icmagroup.org/resourcecentre संसाधन केन्द्र पर उपलब्ध करवाए जाते हैं. ऊपर दिए गए लिंक के अनुदेशों का पालन कर संसाधन केन्द्र पर बाज़ार की सूचना के लिए भरे हुए टेम्पलेट ऑनलाइन प्रकाशित किए जा सकते हैं.

अस्वीकरण

सातत्ययोग्य बॉन्ड के मार्गदर्शी सिद्धांत स्वैच्छिक प्रक्रिया मार्गदर्शन है. ये न तो प्रतिभूतियों को बेचने का या खरीदने का प्रस्ताव करती हैं न ही सातत्ययोग्य बॉन्डों या किन्हीं अन्य प्रतिभूतियों के संबंध में किसी भी तरह की (कर, कानूनी, पर्यावरणीय, लेखाकर्म या विनियामक) सलाह विशिष्ट हैं. सातत्ययोग्य बॉन्ड मार्गदर्शन किसी व्यक्ति, जनता या निजी तौर पर न तो किसी को अधिकार देता है न ही उन पर कोई दायित्व ही डालता है. जारीकर्ता सातत्ययोग्य बॉन्ड मार्गदर्शन को स्वैच्छिक रूप से अंगीकार करें और स्वतंत्रतापूर्वक कार्यान्वियन करें, वे सातत्ययोग्य बॉन्ड मार्गदर्शन पर न आश्रित रहें न ही इसका सहारा लें और सातत्ययोग्य बॉन्डों को जारी करने के लिए निर्णय हेतु वे स्वयं मात्र ही उत्तरदायी होंगे. जारीकर्ता यदि सातत्ययोग्य बॉन्डों के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं तथा इसके फलस्वरूप मिलने वाली निवल धनराशि के प्रयोग पर खरे नहीं उतरते हैं सातत्ययोग्य बॉन्डों के बीमाकर्ता इस हेतु उत्तरदायी न होंगे. यदि किन्हीं प्रयोजनीय विधियों, विधानों और विनियमों और यहां दिए गए सातत्ययोग्य बॉन्ड मार्गदर्शन में कोई टकराव की स्थिति आती है तो स्थानीय विधियां, विधान और विनियम ही लागू होंगे.

Hindi language translation courtesy of YES BANK and reviewed by Citi